संत ज़ेवियर सीनियर सैकेण्डरी विद्यालय, दिल्ली – 54

कक्षा–9 | वार्षिक परीक्षा 2017–18 | पूर्णांक–80

दिनांक–03.03.2018 | हिन्दी | समय–3 घंटे

निर्देश– 1. इस प्रश्नपत्र में चार भाग हैं – क, ख, ग, घ।
2. चारों भागों के उत्तर क्रमानुसार देना अनिवार्य है।
3. सुलेख एवं वर्तनी पर विशेष ध्यान दीजिए।

भाग 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

गाँधी जी ने एक स्थान पर लिखा है – बचपन की एक भूल की सज़ा मैं आज तक पा रहा हूँ। 'पढ़ाई में सुलेखन की कोई ज़रूरत नहीं' – यह कुबुद्धि मेरे मन में न जाने कहाँ से आ गई थी, जो विलायत जाने तक बनी ही रही और जब मैंने खासकर दक्षिण अफ्रीका में वकीलों और वहाँ के पढ़े–लिखे नवयुवकों के अक्षर मोती के दानों जेसे देखे, तब मैं बहुत लज्जित हुआ और पछताया भी। मैंने समझ लिया कि हस्तलिपि का खराब होना अधूरी पढ़ाई की निशानी है। मैंने पीछे से अपनी लिखावट सुधारने की कोशिश भी की, परंतु पके घड़े पर कहीं मिट्टी चढ़ सकती है? जिस बात की अवहेलना मैंने जवानी में की, उसे मैं आज तक न सुधार सका। हर एक विद्यार्थी को यह समझ लेना चाहिए कि अच्छी लिखावट शिक्षा का एक आवश्यक अंग है।

शिक्षा के क्षेत्र में यह सूक्ति बड़ा ही महत्व रखती है – ''लिखने के लिए पढ़िए और पढ़ने के लिए लिखिए।'' लिखने के लिए पढ़ने का अर्थ यह है कि जो कुछ भी पढ़ा जाए, इतने ध्यान से पढ़ना चाहिए मानो उसे आपको अभी लिखना है। जो विद्यार्थी इतने अवधान के साथ नहीं पढ़ता, वह कहने के लिए पढ़ता तो रहता है, किंतु उसके पल्ले बहुत कम ही पड़ता है। अतः सदैव इतने अवधान के साथ पढ़ना चाहिए, मानो उस विषय पर उसे लिखना पड़ेगा। 'पढ़ने के लिए लिखने' का अर्थ है – सुवाच्य, सुंदर अक्षरों में लिखना। लिखा इसलिए जाता है कि उसे पढ़ा जाए। हमें सदैव ऐसा ही लिखना चाहिए जिसे लोग आसानी से पढ़ सकें। जाने यह भ्रम कहाँ से और कब से प्रारंभ हो गया है कि बड़े आदमियों के हस्ताक्षर खराब होते हैं। अतः छात्रों को तो मैं यह कहना चाहूँगा कि वे हमेशा अपने लेखन के प्रति अत्यंत सावधान रहें।

क. गाँधी जी को किस बात का आजीवन खेद रहा? वे क्यों लज्जित हुए और पछताए? (2)
ख. 'लिखने के लिए पढ़िए और पढ़ने के लिए लिखिए' – सूक्ति का अर्थ अपने शब्दों में लिखिए। (2)
ग. 'अच्छी लिखावट शिक्षा का एक आवश्यक अंग है' – पंक्ति का अर्थ समझाइए। (2)
घ. 'सु' उपसर्ग से दो शब्द गद्यांश में से छाँटकर लिखिए। (1)
ड. गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए। (1)

2. निम्नलिखित काव्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

है जनम लेते जगह में एक ही,
एक ही पौधा उन्हें है पालता।
रात में उन पर चमकता चाँद भी,
एक ही सी चाँदनी है डालता।
छेदकर काँटा किसी की उँगलियाँ,
फाड़ देता है किसी का वर वसन।
प्यार डूबी तितलियों के पर कतर,
भ्रमर का है बेध देता श्याम तन।
फूल लेकर तितलियों को गोद में,
भ्रमर को अपना अनूठा रस पिला।
निज सुगंधों और निराले ढंग से,
है सदा देता कली खिला।
है खटकता एक सबकी आँख में,
दूसरा है सोहता सुर–सीस पर।
किस तरह कुल की बड़ाई काम दे,
जो किसी में हो बड़प्पन की कसर।

क. काँटा दूसरों को क्या–क्या कष्ट पहुँचाता है? (2)
ख. फूल किस–किस को क्या–क्या सुख देता है? (2)
ग. आप 'फूल' और 'काँटा' में से क्या बनना चाहेंगे और क्यों? (1)
घ. 'आँख में खटकना' – मुहावरे का अर्थ लिखिए। (1)
ड. काव्यांश का उचित शीर्षक दीजिए। (1)

Contd…2.

भाग 'ख'

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए – (1x7=7)
   - क 'अनु' तथा 'अ' – उपसर्ग के प्रयोग से एक–एक शब्द बनाइए।
   - ख. 'संगीत' शब्द से उपसर्ग तथा मूल शब्द अलग कीजिए।
   - ग. 'बबुआइन' शब्द से मूल शब्द तथा प्रत्यय अलग कीजिए।
   - घ. 'त्व' तथा 'वनी' – प्रत्यय से एक–एक शब्द बनाइए।
   - ड. 'गुणमुक्त' – शब्द का समास–विग्रह कर भेद बताइए।
   - च. 'एक–एक' – विग्रह का समस्त पद बनाकर भेद भी लिखिए।
   - छ. 'समस्त पद' किसे कहते हैं? उदाहरण सहित बताइए।

4. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए – (1x4=4)
   - क. वाक्य की कोई दो प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।
   - ख. 'यहाँ बैठो' – वाक्य निषेधवाचक वाक्य में बदलिए।
   - ग. यदि बारिश न आई तो हम लोग कहीं घूमने चलेंगे। (वाक्य भेद बताइए)
   - घ. तुमने कमाल कर दिया। (विस्मयादिबोधक वाक्य में बदलिए)

5 क. निम्नलिखित काव्य–पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार बताइए – (1x4=4)
   - i. मरकत डिब्बे सा खुला ग्राम।
   - ii. हिमकर निराश कर चला रात भी काली।
   - iii. तीन बेर खाती थी वह तीन बेर खाती है।

ख. उत्प्रेक्षा अथवा रूपक अलंकार का एक उदाहरण लिखिए।

भाग 'ग'

6. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

मेरा जूता भी कोई अच्छा नहीं हैं। यों ऊपर से अच्छा दिखता है। अँगुली बाहर नहीं निकलती पर अँगूठे के नीचे तला फट गया है। अँगूठा ज़मीन से घिसता है और पैनी मिट्टी पर कभी रगड़ खाकर लहूलुहान भी हो जाता है। पूरा तला गिर जाएगा, पूरा पंजा छिल जाएगा, मगर अँगुली बाहर नहीं दिखेगी। तुम्हारी अँगुली दिखती है, पर पाँव सुरक्षित है। मेरी अँगुली ढँकी है, पर पंजा नीचे घिस रहा है। तुम परदे का महत्व नहीं जानते, हम परदे पर कुर्बान हो रहे हैं।

   - क. लेखक अपने जूते के बारे में क्या बताता है? (2)
   - ख. ''हम पर्दे पर कुर्बान हो रहे हैं, तुम परदे का महत्व नहीं जानते'' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। (2)
   - ग. पाठ और लेखक का नाम लिखिए। (1)

7. गद्य–पाठों पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 60 शब्दों में दीजिए – (2x4=8)
   - क. पाठ 'ल्हासा की ओर' के आधार पर बताइए कि उस समय का तिब्बती समाज भारतीय समाज से किस प्रकार भिन्न था? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।
   - ख. 'साँवले सपनों की याद' पाठ के आधार पर सालिम अली के व्यक्तित्व की किन्हीं दो विशेषताओं का वर्णन उदाहरण सहित कीजिए।
   - ग. अंग्रेजी सेना ने बिठूर के राजमहल को तोड़ने का निश्चय क्यों किया?
   - घ. 'एक कुत्ता और एक मैना' – पाठ की मूल संवेदना को अपने शब्दों में लिखिए।

8. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों उत्तर दीजिए – (1x5=5)

कोहरे से ढँकी सड़क पर बच्चे काम पर जा रहे हैं –
सुबह–सुबह
बच्चे काम पर जा रहे हैं
हमारे समय की सबसे भयानक पंक्ति है यह
भयानक है इसे विवरण की तरह लिखा जाना
लिखा जाना चाहिए इसे सवाल की तरह
काम पर क्यों जा रहे हैं बच्चे?

   - क. कवि और कविता का नाम लिखिए।
   - ख. कविता की भाषा और काल का नाम लिखिए।
   - ग. काव्य सौंदर्य की शैली–गत कोई दो विशेषताएँ उदाहरण सहित लिखिए।
   - घ. बच्चों को काम पर क्यों जाना पड़ रहा है? कोई दो कारण लिखिए।
   - ड. कवि की दृष्टि में 'काम पर जा रहे हैं बच्चे' बात को प्रश्न के रूप में क्यों पूछा जाना चाहिए?

Contd…3.

9. काव्य–पाठों पर आधारित प्रश्नों के उत्तर 60 शब्दों में दीजिए – (2x4=8)

क. काबा के काशी तथा राम के रहीम बन जाने के माध्यम से कबीरदास समाज को किस उदाहरण द्वारा तथा क्या संदेश देना चाहते हैं? स्पष्ट कीजिए।

ख. 'कैदी और कोकिला' कविता के आधार पर उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए कि कवि और कोयल की स्थिति में क्या अंतर हैं?

ग. बादलों के आने पर प्रकृति में जिन गतिशील क्रियाओं को कवि ने चित्रित किया है, उन्हें लिखिए।

घ. ''माँ अब नहीं है और यमराज की दिशा भी वह नहीं रही जो माँ जानती थी' पंक्ति का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

10. कृतिका के पाठों पर आधारित किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए – (4)

लेखिका मृदुला गर्ग अपनी धुन की पक्की थी। उसने असंभव कार्य को भी संभव कर दिखाया। **''मेरे संग की औरतें''** पाठ के आधार पर लेखिका के समाज सेवा के कार्यों का उल्लेख कीजिए तथा यह भी बताइए कि हम एक छात्र के रूप में समाज सेवा के क्षेत्र में क्या–क्या योगदान दे सकते हैं?

अथवा

एक सच्चा मित्र ही व्यक्ति को अच्छे या बुरे मार्ग पर ले जाता है। हरिवंशराय बच्चन तथा शमशेर बहादुर सिंह जी के जीवन प्रसंग के आधार पर बताइए कि आपने इससे क्या–क्या शिक्षाएँ ग्रहण की हैं? हरिवंशराय बच्चन के व्यक्तित्व की किन्हीं दो विशेषताओं का वर्णन उदाहरण सहित कीजिए।

भाग 'घ'

11. निम्नलिखित में किसी **एक** विषय पर 250 शब्दों में निबंध लिखिए – (10)

क. महँगाई की मार – जनता है लाचार
- महँगाई का अर्थ
- महँगाई के कारण
- महँगाई का परिणाम
- भ्रष्टाचार, रिश्वत, बेईमानी का बोलबाला
- महँगाई रोकने के उपाय
- सरकार का कर्त्तव्य
- आपका विचार

ख. युवकों / युवा पीढ़ी का देश के प्रति कर्त्तव्य
- भूमिका
- युवा – शक्ति
- युवाओं की इच्छाएँ
- देश–हित सर्वोपरि
- कर्त्तव्य का आधार – शिक्षा एवं अनुशासन
- आपका विचार

ग. इंटरनेट की लोकप्रियता और दुष्प्रभाव
- भूमिका
- विज्ञान का श्रेष्ठ आविष्कार
- मोबाइल के विविध लाभ एवं हानियाँ
- उपयोग कम – दुरूपयोग अधिक
- सावधानियाँ (प्रयोग में)
- आपका विचार

12. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर पत्र लिखिए। (5)

अपने क्षेत्र की यातायात व्यवस्था को सुधारने के लिए यातायात आयुक्त को पत्र लिखिए तथा अपनी ओर से कुछ उपाय सुझाइए।

अथवा

अपने छोटे भाई / बहन को अच्छी संगति का महत्त्व बताइए तथा सत्संगति अपनाने के लाभ दर्शाते हुए पत्र लिखिए।

13. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर दो व्यक्तियों के बीच संवाद लगभग 150 शब्दों में लिखिए– (5)

'महिलाओं की सुरक्षा' पर चिंता व्यक्त करते हुए तथा उचित उपाय देते हुए दो महिलाओं के मध्य होने वाला संवाद लिखिए।

अथवा

परीक्षा की तैयारी को लेकर विनीत और संदीप के बीच होने वाले संवाद को लिखिए।

*****